' तिल भाराड या (गर्मा पहाड़ V यहामा अमदीई माइली ही खारी बार मेरि भागन पा ब्राह्मधाणा भोलेंगेई तह लिलाग उन्ह महात मा महानि आजमारकाम भी व्यवंशियदारी। यह रात एका १६६ प्रत टिन के जब अरोज के में ने कार किसीर की क्यान में प्रमान तेलिक री-श्रीकरीजी के एत्रम किया. के क्यों कारे बारे बारे कि बोनें मह मा बदनामी किया कारे हो। में ने महा बोनानी गुंडी बातें की के सिक्र कारी। जायाव जिला, मही हि, व धरे प्रकृत ही, जोग द व्यंरे में वलामा शहे ही " मेरा पार अन बात के क्तितं छी एम दम ग्रामकेग्या, हो भी श्रीकृत के निकला अरे जाली, लेकी में अस्मालाल के - जब मंद्राजीणपादा त व सहापा क्षेत्री हाने बहुनारी अवसंबंदरामा कर गाय भारती ही विल्यापनापना निकापाना पड़ी र्संशी अपने पर 1300 में बी जन अमिनी जी मीर शिनाय गर् तेन्सिक्ति (फाबार कार में सम्पर्न जा बेटीं, उने व्यामा अमेरिकाने भारते नहिंगाना के भी । हाका-म्रहाकी हुई। पनामही मार् १ द्वार्य असे अ लाड़ी कार माने दिए तिहत उन्ह बान की तरह बारिया र्सिन उन्तरी भावभीने राबी, हैंग शिक्सा अ उनका करिया-अभि हिन्द का अम् । मेंग ही यह तत्व महा है अक्षा में रेन कराना मन है। हारं कि महासक्र मत्या थी। अस्ति हिमहबात रनामक ही ही महत्वत्र मा अवसेत भा वरी निन्द रेडिए। इस्म लाडी कार भी अपनी में इस्किश मान्य प (दिश देती भीकतवार्यामी दिया (नाप पीरे व्या मर्वे वारकार है उन्ड बार्सिए जारेन की, लड़ी लाव्येवड़ी ही भड़ाती है उन्हें मूर (ज्ञा / अगमा / भी महत्ती तुन्ना बलकारी जा ार्क कार कार में मुहा मामनाया / देवारी मी कार कि भी में किए का का दे में हिया दिए के अपने की, राजवाहिंग उनिर्देश क्या हैना अपनी स्नीमरी में गारि । कारता अन्य तारी बार वें डिया एलाका कर रूपी क ancia. मेना भी का बात ।